RE: NEWSPAPER REPORTS ON DEFENCE DEALS

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : आदरणीय सभापति महोदय, समाचार पत्रों में आए दिन डिफेंस डील से संबंधित मामलों के समाचार प्रकाशित होते रहते हैं, लेकिन उस बारे में रक्षा मंत्रालय और रक्षा मंत्री दोनों की कोई प्रतिक्रिया नहीं आती है। महोदय, मैं इस गंभीर प्रश्न पर आप के माध्यम से सरकार का ध्यान इसलिए आकर्षित करना चाहूंगा कि पिछले दो दिनों से प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में यह समाचार आ रहे हैं कि कारगिल वार के समय सेना को जो वेपेंस सप्लायी किए गए, वे सब-स्टेंडर्ड के थे और दूसरे देशों से जो वेपेंस खरीदे गए, वह भी सब-स्टेंडर्ड क्वालिटी के थे। यहां तक कि स्टोर्स में जो वेपेंस रखे गए, उन का भी रख-रखाव ठीक ढंग से नहीं किया गया और स्थिति यह हुई कि वेपेंस की क्वालिटी इस से प्रभावित हुई। महोदय, यह मैं नहीं कह रहा हूं, खुद सरकार ने इस सदन में जो उत्तर दिया है, उस में स्वीकारा है कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्रीज के स्टोर्स में जो वेपेंस रखे गए थे, जो इक्युपमेंट्स थे, उन का रख-रखाव ठीक ढंग से नहीं हो पाया और उस से उन की क्वालिटी प्रभावित हुई। सभापति महोदय, मैं आप के माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि करीब 24 ऐसे केसेज हैं जिन में मेजर इर्रेगुलरिटीज हुई हैं। समाचार पत्रों में ऐसे समाचार आए हैं कि 120 आर्म्स डील के संबंध में इस प्रकार की अनियमितताएं हुई हैं। यहां तक कि तहलका डॉट काम के माध्यम से जो बातें समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थीं, उन से संबंधित मामले भी समाचार पत्र में आए हैं। महोदय, विदेशों से जो वेपेंस आयात किए गए थे और उस समय सरकार के द्वारा जो शर्तें मानी गयी थी, उन शर्तों का पालन नहीं हो पाया है। मैं चाहूंगा कि सरकार उस संबंध में अपना क्लैरिफिकेशन दे क्योंकि यह देश की रक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। हमारे देश को आसपास के देशों से चुनौतियां मिलती जा रही हैं। यद्यपि हमारी सेना उन चुनौतियों का ठीक ढंग से जवाब देने में सक्षम है, लेकिन जब उन्हें सब-स्टेंडर्ड क्वालिटी के वेपेंस मिलेंगे और उन वेपेंस की खरीदी में जो आर्म्स एजेंट्स बीच में आते हैं, वह भी इर्रेगुलरिटीज करेंगे तो यह गंभीर मामला हो जाता है। खासकर तहलका डॉट काम ने जिन चीजों का रहस्योद्घाटन किया है, उस से जुड़े हुए भी कई सवाल उभरे हैं। महोदय, इस सारी पृष्ठभूमि में मैं आप के माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि आर्मी को समय-समय पर इनइफेक्टिव इम्युनीशन दिया गया और खासकर कारगिल वार के समय में उस के लिए जो अलग-अलग कमेटीज बनीं, उन के हवाले से समाचार पत्रों में जो समाचार प्रकाशित हुए, उस संबंध में सरकार का क्या कहना है?

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal) : Sir...,

MR. CHAIRMAN: After Shri Nilotpal Basu, the hon. Minister will speak.

SHRI NILOTPAL BASU: I will be very brief, Sir. I would like to draw the attention of the House, and, particularly, of the Leader of the House, to the report which was published yesterday in the 'Times of India.' Now, from the CAG Report, which has been listed for being tabled in this House, we find that there was a clear-cut manipulation, insofar as the hand-held thermal imaging device was concerned. There were manipulations in the equipment which were purchased from an Israeli Company.

Sir, for subsequent tranche of orders that we were to place on the Israeli Company, whose was the lowest bid, the bid was manipulated, and the equipment was bought from a company called 'Thomson'. In that transaction, there was a clear loss of Rs. 22 crores; over and above that, a sum of Rs. 9 crores had earlier been paid to the Israeli Company for technology transfer to the Bharat Electronics Limited. And, the time-schedule for delivery was also such that the entire amount of equipment could have been produced and manufactured by the Bharat Electronics. Subsequently, today, it has been published that 'Krasnopol', a partially-guided ammunition, for which a company called *Sajem* of France is the best manufacturer, by all counts, has actually been pushed out of the shortlist, and the equipment was not purchased by them, though the Army found earlier that this equipment was best suited for the hilly terrain of Kargil. Sir, both these cases refer to issues which have been brought out by the Tehelka tapes, and it confirms our worst fears that there was indeed manipulation during the Kargil War by a part of the Army set-up for making -- what should I say -- illegal gains. Therefore, Sir, this is a very, very serious case, and this lends further credence to what has been revealed by the Tehelka Tapes. Sir, it is such a serious issue which concerns the national security. The Government complains that the Opposition is unmindful of national security. So, Sir, on this entire episode, -- and now, it has been confirmed by a Constitutional Authority like the CAG -- the Government should come out with a comprehensive statement, explaining the facts.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, tomorrow, the House is scheduled to discuss the issues relating to Tehelka. I hope, all these matters will come up for discussion, and more light will be thrown on various issues relating to it. Over and above that, I would like to say that the points mentioned by the two hon. Members will be brought to the notice of the Defence Minister.

SPECIAL MENTIONS

Demolition of Periyar Centre at New Delhi by the DDA

SHRI P.G. NARAYANAN (Tamil Nadu): Sir, it was quite disturbing and painful to learn that the Periyar Centre at Bamnoli, New Delhi, inaugurated only